भारत सरकार
विदेश मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 788
दिनांक 26.07.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीयों के लिए निकासी कार्यक्रम

788. **श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में अन्य देशों से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए कोई निकासी कार्यक्रम चलाया है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या किसी आपातकालीन स्थिति का सामना करने के लिए संवेदनशील भारतीय दूतावासों में विशेष अधिकारी नियुक्त करने की सरकार की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्ति वर्धन सिंह]

(क) एवं (ख) वंदे भारत मिशन: मार्च 2022 तक एयर बबल व्यवस्था सहित "वंदे भारत मिशन" के तहत कोविड के दौरान 3.20 करोड़ व्यक्तियों (आने वाले–1.60 करोड़ और जाने वाले–1.60 करोड़) को आवागमन की सुविधा प्रदान की गई है।

ऑपरेशन देवी शक्ति: "ऑपरेशन देवी शक्ति" के तहत भारतीय वायुसेना और एयर इंडिया की 6 उड़ानों द्वारा कुल 669 व्यक्तियों को अफगानिस्तान से निकाला गया है। इसमें 448 भारतीय और 206 अफगानी नागरिक शामिल हैं, जिनमें अफगान हिंदू/सिख समुदाय के सदस्य और 15 विदेशी नागरिक शामिल हैं।

ऑपरेशन गंगा: फरवरी और मार्च 2022 में 90 उड़ानों, जिनमें से 76 वाणिज्यिक उड़ानें और 14 भारतीय वायुसेना की उड़ानें शामिल थीं, के माध्यम से भारत सरकार के खर्च पर 18,282 भारतीय नागरिकों, जिनमें मुख्य रूप से छात्र शामिल थे, को यूक्रेन से भारत वापस लाया गया।

ऑपरेशन कावेरी: "ऑपरेशन कावेरी" के तहत भारत सरकार के खर्च पर भारतीय वायुसेना की 18 उड़ानों, भारतीय नौसेना के जहाजों की 5 यात्राओं और 20 वाणिज्यिक उड़ानों की मदद से सूडान से 4,097 व्यक्तियों (जिनमें 136 विदेशी शामिल हैं) को भारत वापस लाया गया। इसमें चाड, मिस्र, इथियोपिया और दक्षिण सूडान के साथ सूडान की भू–सीमाओं के माध्यम से लाए गए 108 भारतीय नागरिक शामिल हैं।

ऑपरेशन अजय: भारत सरकार के खर्च पर ऑपरेशन अजय के तहत 6 विशेष उड़ानों में 1309 भारतीय नागरिकों, 14 ओसीआई कार्ड धारकों और 20 नेपाली नागरिकों सहित कुल 1343 व्यक्ति इजरायल से भारत लौटे हैं।

ऑपरेशन इंद्रावती: नागरिक संघर्ष की स्थिति के बीच हैती से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए मार्च 2024 में ऑपरेशन शुरू किया गया था। कुल 17 भारतीय नागरिकों को हेलीकॉप्टरों द्वारा हैती से सुरक्षित रूप से डोमिनिकन गणराज्य लाया गया।

कुवैत से मानवीय आधार पर एयरलिफ्ट ऑपरेशन: 12 जून 2024 को कुवैत में एक श्रमिक आवास गृह में आग लगने की एक बड़ी घटना हुई, जिसमें 45 भारतीयों की जान चली गई। एक विशेष आईएएफ सी–130 विमान द्वारा 45 मृतक भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर कुवैत से भारत वापस लाए गए।

(ग) एवं (घ) सभी भारतीय मिशनों/वाणिज्य दूतावासों में एक कोंसली स्कंध है, जिसके प्रमुख एक कोंसली अधिकारी होते हैं, जो आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए कार्रवाई करते हैं।

*****